Mr. Speaker: It is a matter of opinion.

Shri S. N. Chaturvedi: May I know if any account has been taken of the exchange of bullets with Pakistan in this barter agreement?

Mr. Speaker: Next question.

Paradeep Port

+

*179. Shri Yashpal Singh:
Shri Surendranath Dwivedy:
Shri Kashi Ram Gupta:
Shri Nambiar:
Shri Laxmi Dass:
Shri Imbichibava:
Shri M. N. Swamy:
Dr. Saradish Roy:
Shri P. K. Deo:
Shri Gulshan:
Shri Gokulananda Mohanty:

Will the Minister of **Transport** be pleased to state:

(a) whether any representation has been received from the Government of Orissa for financing and taking over the construction of Paradeep Port in Orissa as a Central Project;

(b) whether any report about the progress of the construction of Paradeep Port and the actual amount spent therein has also been received;

(c) whether Government are aware of complaints about irregular spending in the project; and

(d) whether the present construction work is being supervised by any of the Central experts on ports?

The Minister of Transport (Shri Raj Bahadur): (a) and (b). Yes, Sir.

(c) Government are aware of certain reports which have appeared in the Press on the subject. The project is however being executed by the State Government and it is for the State Government to consider the complaints.

(d) No, Sir.

श्री यशपाल सिंह : क्या यह सच है कि कविकुल सिरमौर श्री कपूर सिंह के नेतृत्व में एक पालियामेंटरी कमेटी इस पोर्ट को देखने के लिए बनाई गई थी, यदि हां, तो उस पालियामेंटरी डेलीगेशन ने क्या रिपोर्ट दी है ?

परिवहन मंत्री (श्री राज बहादुर) : मुझे खेद है कि उस कमीशन की न मुझे कोई जानकारी है और न मुझे कोई रिपोर्ट ही मिली है ।

श्री यशपाल सिंह : शीघ्र से शीघ्र कब तक उस पालियामेंटरी डेलीगेशन की रिपोर्ट इस पालियामेंट में रक्खी जायेगी ?

अध्यक्ष महोदय : मंत्री महोदय ने बतला तो दिया कि उन्हें उसकी कोई जानकारी नहीं है और जब उनके पास कोई रिपोर्ट है ही नहीं तो वह रक्खेंगे क्या ।

श्री गुलशन : क्या मैं जान सकता हूं कि पारादीप पोर्ट जो कि राज्य सरकार बना रही है उसके लिए केन्द्रीय सरकार ने कुछ सहायता की है, यदि हां, तो वह किस रूप में की है ?

श्री राज बहादुर : प्रथम तो एक कमेटी थी इंजीनियर्स और पोर्ट का काम जानने वालों की जिसको कि इंटरमीजिएट पोर्ट डेवलपमेंट कमेटी कहा जाता था । उसने सिफारिश की थी कि इस पारादीप पोर्ट को इंटरमीजिएट पोर्ट के रूप में डेवलप किया जाए और थर्ड प्लान में 1.5 करोड़ रुपये का प्राविज़न रखा गया था । उसके उपरान्त स्टेट गवर्नमेंट ने अपने इनीशिएटिव पर यह तय किया कि इसको औल वैदर पोर्ट बनाया जाए और इसे अपने ही रुपये से डेवलप करना चाहिए और इसलिए उस प्राजेक्ट को उस शक्ल में फ़ाइनेंस करने की कोई जिम्मेदारी सेंट्रल गवर्नमेंट नहीं ले सकी थी और जो कुछ भी सहायता थी

वह केवल 1.5 करोड़ की इंटरमीजिएट पोर्ट के लिए थी ।

Shri G. Mohanty: In respect of expenditure and progress of work, may I know the opinion of the parliamentary delegation that visited Paradeep Port in May this year and also the opinion of the Deputy Chairman of the Planning Commission?

Shri Raj Bahadur: I am afraid, Sir, I have no report of the parliamentary delegation.

Shri P. Venkatasubbaiah: May I know whether the Government has got any information that the work as per schedule is going on and the construction will be over quite in time?

Shri Raj Bahadur: Yes, Sir. I have got a full statement about the original estimate.

Mr. Speaker: He wants to know whether the work is going on according to schedule.

Shri Raj Bahadur: The work is going on and I think it is going on briskly.

श्री भागवत झा आजाद : क्या अपना कंट्रीब्यूशन देने के बाद केन्द्रीय सरकार समय समय पर इस बात का कोई ज्ञान रखती है कि वहां पर कार्य की जो पद्धति है और जो शैडयूल्स हैं वे समय पर ठीक ठीक चलाये जा रहे हैं ?

श्री राज बहादुर : जैसे मैंने प्रथम ही निवेदन किया था कि पूरी जिम्मेदारी इस काम को करने की और उस पोर्ट को बनाने की राज्य सरकार ने अपने इंजीनियर्स के द्वारा और अपने इन्न शिएटिव पर यह काम राज्य सरकार ने अपने जिम्मे ले ली थी अलबत्ता उस सम्बध में जो सहायता उन्होंने हमसे मांगी वह समय समय पर फौरेन एक्सचेंज रिलीज के बारे में, या अन्य प्रकार उन्हें दी गई ।

Shri Rama Chandra Mallick: May I know whether the delegation that visited Paradeep Port has submitted any report to the Minister; if so, the action taken by Government?

Mr. Speaker: Hon. Members do not follow what is happening.

Shri S. C. Samanta: Is it not a fact that World Bank experts more than once visited this port while they were visiting major ports in India; if so, may I know whether in their report they have hinted anything about this port?

Shri Raj Bahadur: I am afraid, Sir, I am not aware whether World Bank experts visited Paradeep Port as such. They visited Haldia Port.

Shri Kapur Singh: I want to know whether reluctance on the part of the Government of India to take over this project or to finance it adequately has something to do with vested interests in the Calcutta port?

Shri Raj Bahadur: Absolutely not. I should say, we have got a definite programme of port development which is proposed by the Planning Commission and accepted in the ultimate analysis by the Parliament, and in the Third Plan development of major ports has been specified and limited. Paradeep does not come within that.

वनस्पति में रंग का मिलाया जाना

\+

*180. श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :
श्री यशपाल सिंह :
श्री प० रं० चक्रवर्ती :
श्रीमती सावित्री निगम :
श्री विश्वनाथ पाण्डेय :
श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :
श्री प्र० चं० बरुआ :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री 11 फरवरी, 1964 के तारांकित प्रश्न संख्या 15 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :